देखने में आ रहा है कि इस वर्ष पश्चिमी विक्षोप के देर से सक्रीय हाने के कारण प्रदेश में वारिश व उंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हो रही है, जिसके कारण फलदार पौधों को नुकसान होने की संभावपा हैं। अतः उद्यान विभाग हिमाचल प्रदेश के किसान बागवानों को ओलावृष्टि होने पर सम्भावित नुकसान से बचाव हेतु निम्न प्रकार से उपाय करने की सलाह देता है:-

ओलावृष्टि के लिए सिफारिशें :-

1. ओलावृष्टि के तुरन्त बाद कारबैन्डाजिम 100 ग्राम या मैनकोजैब 600 ग्राम का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर स्प्रे करें ।
2. ओलावृष्टि के 3-4 दिनों के अन्दर बोरिक एसिड (200 ग्राम)+जिंक सल्फेट (500 ग्राम)+अनबुझा चूना (250 ग्राम) का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें ।
3. 10-12 दिनों के बाद सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसा कि एग्रोमिन, मल्टीपलैक्स या माइक्रोविट का 400-600 ग्राम प्रति 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें तथा ओलावृष्टि से प्रभावित बागीचों में यूरिया (1 कि.ग्रा. प्रति 200 ली. पानी) का छिड़काव करें ।

27/05/2023

(कीर्ति कुमार सिन्हा)
वरिष्ठ पौध संरक्षण अधिकारी,
हिमाचल प्रदेश, शिमला-2